6 | दैनिक जागरण नैनीताल, 25 फरवरी 2011

सौर ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनेंगे राज्य के युवा

पहल

- ग्रीन ऑस्कर अवार्ड विजेता स्केल के प्रशिक्षुओं को दिए टिप्स

हल्द्वानी: सौर ऊर्जा से चलने वाले प्रकाश उपकरणों के विनिर्माण व तकनीकी विकसित करके युवा स्वरोजगारी बन सकते हैं। साथ ही प्राकृतिक रूप से भी सौर ऊर्जा चालित उपकरण राज्य में प्रदूषण नियंत्रण कर केरोसिन की खपत को कम करेंगे। यह विचार ग्रीन ऑस्कर अवार्ड विजेता एसपी गोन चौधरी ने व्यक्त किए।

गुरुवार को सोसायटी टू क्रिएट एवेयरनेस टुवार्ड्स लाइफ एंड इनवॉयरमेंट (स्केल) संस्था के कार्यक्रम में श्री चौधरी प्रशिक्षण को पहुंचे। उन्होंने कहा कि स्केल राज्य में सौर ऊर्जा को प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ाने के मिशन में जुटी है। इसका लाभ विद्युतविहीन क्षेत्रों को तो मिलेगा ही केरोसिन व निर्भरता व उससे होने वाले प्रदूषण से भी निजात मिलेगा। मिशन के तहत कुमाऊं भर से चयनित 16 प्रशिक्षणार्थियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। स्केल के अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि वर्ष 2002 में यूके सरकार के ग्रीन ऑस्कर इनर्जी अवार्ड से सम्मानित श्री चौधरी के तकनीकी अनुभवों का लाभ संस्था को मिल रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को सोलर लैन्टर्न, होम लाइट, स्ट्रीट लाइट व मोबाइल चार्जर बनाने की तकनीकी सिखाई जा रही है। साथ ही युवाओं के बाद में स्वरोजगारी बनने के लिए भी सहायता मुहैया कराई जाएगी।